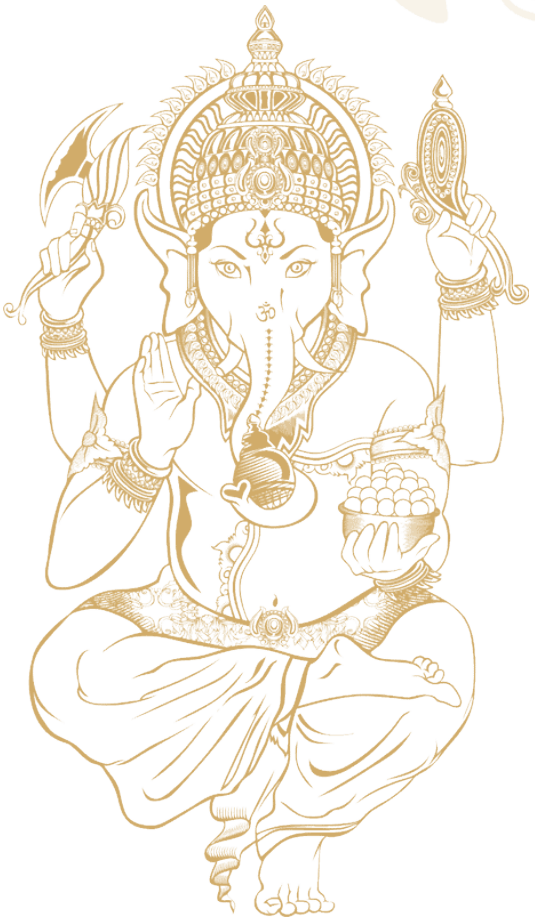

Abhishek

Ritika

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121743602

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
01/04/1995	जन्म तिथि	14-15/01/1995
शनिवार	दिन	शनि-रविवार
घंटे 17:15:00	जन्म समय	00:30:00 घंटे
घटी 27:36:52	जन्म समय(घटी)	43:06:24 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:12:15	सूर्योदय	07:15:26
18:38:04	सूर्यास्त	17:44:51
23:47:36	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:28

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
केतु 5वर्ष 1मा 22दि	29:53:44	सिंह	लग्न	कन्या	29:01:01	राहु 17वर्ष 5मा 23दि
सूर्य	17:29:33	मीन	सूर्य	मक	00:21:19	गुरु
23/05/2020	03:32:07	मेष	चंद्र	मिथु	07:03:02	09/07/2012
24/05/2026	19:43:46	कर्क	मंगल व	सिंह	07:56:38	09/07/2028
सूर्य 10/09/2020	04:42:17	मीन	बुध	मक	18:08:59	गुरु 27/08/2014
चन्द्र 11/03/2021	21:35:24	वृश्चि	गुरु	वृश्चि	13:35:58	शनि 09/03/2017
मंगल 17/07/2021	11:19:33	कुंभ	शुक्र	वृश्चि	13:29:58	बुध 15/06/2019
राहु 11/06/2022	24:24:26	कुंभ	शनि	कुंभ	15:27:17	केतु 21/05/2020
गुरु 30/03/2023	11:49:34	तुला व	राहु व	तुला	18:22:03	शुक्र 20/01/2023
शनि 11/03/2024	11:49:34	मेष व	केतु व	मेष	18:22:03	सूर्य 08/11/2023
बुध 15/01/2025	06:12:22	मक	हर्ष	मक	02:29:17	चन्द्र 09/03/2025
केतु 23/05/2025	01:33:53	मक	नेप	धनु	29:17:50	मंगल 13/02/2026
शुक्र 24/05/2026	06:35:14	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	06:08:27	राहु 09/07/2028

लग्न-चलित

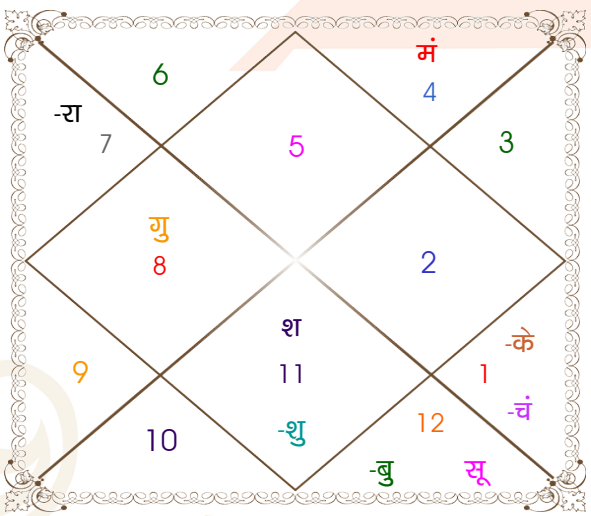

लग्न-चलित

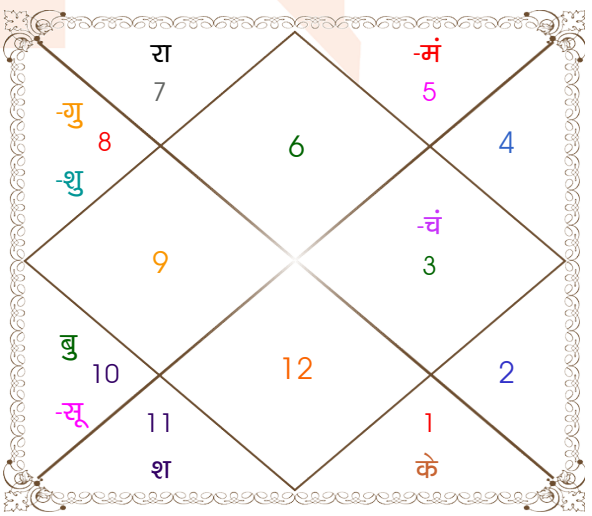

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	अश्व	श्वान	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	मिथुन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.00		

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Ritika का नक्षत्र आर्द्रा है।

Abhishek का वर्ग सिंह है तथा Ritika का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Abhishek और Ritika का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Abhishek मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Abhishek कि कुण्डली में द्वादश भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Abhishek कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ritika मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों

में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Ritika कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Abhishek कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Abhishek तथा Ritika में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।